हीदरग्राफ
Hythergraph

बोलेंद्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक भूगोल,
राजा सिंह कॉलेज सिवान

हीदरग्राफ भी एक विशेष प्रकार का क्लाइमोग्राफ ही है जिसमें औसत मासिक तापमान व औसत वार्षिक वर्षा के मूल्यों को क्रमशः कोटियों व भुजों के रूप में अंकित करते हैं, **हीदरग्राफ** कहलाता है । किसी स्थान का हीदरग्राफ बनाने की वही विधि है जो क्लाइमोग्राफ बनाने की होती है, अंतर केवल इतना है कि हीदरग्राफ में औसत मासिक तापमान व औसत वार्षिक वर्षा के आंकड़ों का प्रयोग होता है । मानवीय क्रिया विशेषकर बस्तियों के संदर्भ में जलवायु के अंतरों का प्रभाव स्पष्ट करने के लिए सर्वप्रथम **ग्रिफिथ टेलर** ने इस जलवायु आलेख का प्रयोग किया था ।

हीदरग्राफ बनाने के लिए ग्राफ पेपर पर क्षैतिज व उर्ध्वाधर अक्ष खींचकर उन पर क्रमशः औसत वार्षिक वर्षा व औसत मासिक तापमान की मापनियाँ अंकित करते हैं और क्लाइमोग्राफ की भांति औसत मासिक तापमान व औसत वार्षिक वर्षा के आधार पर जनवरी, फरवरी, मार्च आदि महीनों के 12 बिंदु अंकित करते हैं और इन बिंदुओं को महीनों के क्रम में सरल रेखाओं के द्वारा जोड़कर हीदरग्राफ का निर्माण करते हैं ।

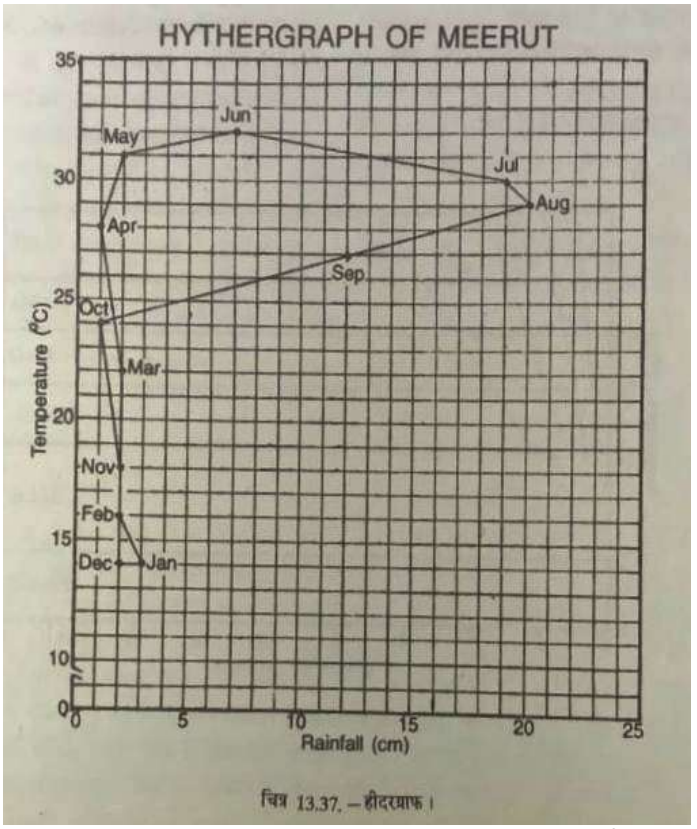

चित्र 13.37. – हीदरग्राफ ।

चित्र स्रोत: प्रायोगिक भूगोल, रस्तोगी प्रकाशन, जे० पी० शर्मा

सन्दर्भ: प्रायोगिक भूगोल, रस्तोगी प्रकाशन, जे० पी० शर्मा